भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2941

जिसका उत्तर 12 दिसंबर, 2024 को दिया जाना है।

.....

गंगा नदी को कावेरी नदी से जोड़ना

2941. डॉ. थोल तिरूमावलवन:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का गंगा नदी को कावेरी नदी से जोड़ने की कोई योजना या प्रस्ताव है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके प्रारंभ तथा पूर्ण होने की लक्षित तिथि क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क) और (ख): भारत सरकार ने 1980 में अधिशेष बेसिनों से कमी वाले बेसिनों/क्षेत्रों में जल स्थानांतरित करने के लिए नदियों को जोड़ने के लिए एक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) तैयार की थी। राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए) को एनपीपी के अंतर्गत नदियों को जोड़ने (आईएलआर) का कार्य सौंपा गया है।

एनपीपी के तहत 30 आईएलआर परियोजनाओं की पहचान की गई है, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ मानस, संकोश, तिस्ता, गंगा, दामोदर, सुवर्णरेखा, महानदी, गोदावरी, कृष्णा, पेन्नार, कावेरी, वैगई और गुंडार नदियों को जोड़ने के प्रस्ताव शामिल हैं। मानस-संकोश-तिस्ता-गंगा-दामोदर-सुवर्णरेखा-महानदी संपर्क प्रणाली का उद्देश्य महानदी को जल उपलब्ध कराना है, तथा उसके बाद महानदी-गोदावरी-कृष्णा-पेन्नार-कावेरी-वैगई-गुंडर संपर्क प्रणाली का उद्देश्य कावेरी नदी तथा दक्षिण की ओर जल उपलब्ध कराना है। एनपीपी के अंतर्गत आईएलआर परियोजनाओं का विवरण तथा उनकी स्थिति **अनुलग्नक** में दी गई है।

महानदी-गोदावरी लिंक और ऊपरी लिंक पर आम सहमति बनने तक, छत्तीसगढ़ राज्य के इंद्रावती उप-बेसिन के लगभग 4189 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) अप्रयुक्त जल को गोदावरी (इंचमपल्ली)-कावेरी लिंक के माध्यम से मोड़ने की परिकल्पना की गई है, जिससे मौजूदा कमान के अनुपूरण सहित तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु राज्यों में लगभग 5.74 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई लाभ प्रदान किया जा सके। परियोजना में कर्नाटक और

पुडुचेरी में मालाप्रभा उप-बेसिन की घरेलू और औद्योगिक आवश्यकताओं सहित इन तीन राज्यों की घरेलू और औद्योगिक आवश्यकताओं की मांगों पर भी विचार किया गया है। लिंक परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है और जनवरी, 2024 में प्रसारित कर दी जाएगी। आम सहमति बनाने के लिए आयोजित विभिन्न परामर्श बैठकों में पक्षकार राज्यों से प्राप्त अनुरोधों के आधार पर, गोदावरी बेसिन से 4189 एमसीएम के हस्तांतरण के प्रस्ताव को बेदती-वरदा लिंक के माध्यम से कृष्णा बेसिन में अनुपूरण के प्रस्ताव के साथ जोड़ दिया गया है। भारत सरकार ने पक्षकार राज्यों के साथ परामर्श करके उन्हें आम सहमति पर लाने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। हालाँकि, नदी जोड़ परियोजना के कार्यान्वयन के लिए आम सहमति पर पहुँचना पक्षकार राज्यों पर निर्भर है।

आईएलआर परियोजनाओं के कार्यों का प्रारंभ और उनका पूरा होना, संबंधित राज्यों द्वारा जल बंटवारे, इंटरलिंक के मार्ग आदि जैसे मुद्दों पर आम सहमति पर पहुंचने तथा संबंधित आईएलआर परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए परियोजना विशिष्ट समझौता ज्ञापन-पर हस्ताक्षर करने पर निर्भर करता है। (एमओए)

*****

अनुलग्नक

"गंगा नदी को कावेरी नदी से जोड़ना" के संबंध में संबंधित लोकसभा में दिनांक 12.12.2024 को पूछे जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 2941 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

एनपीपी के तहत आईएलआर परियोजनाओं का विवरण और स्थिति

<u>प्रायद्वीपीय घटक</u>

क्रम सं.	नाम	लाभान्वित राज्य	स्थिति
1	क.महानदी (मणिभद्र) - गोदावरी (दौलैस्वरम) लिंक	आंध्र प्रदेश (एपी) और ओडिशा	एफआर पूरा हो गया है
	ख.वैकल्पिक महानदी (बारमुल) - ऋषिकुल्या - गोदावरी (दौलैस्वरम) लिंक	एपी और ओडिशा	एफआर पूरा हो गया है
2	गोदावरी (पोलावरम)-कृष्णा (विजयवाड़ा) लिंक **	एपी	एफआर पूरा हो गया है
3	क.गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक	तेलंगाना	एफआर पूरा हो गया है
	ख.वैकल्पिक गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक *	तेलंगाना	डीपीआर पूरा हो गया है
4	गोदावरी (इंचमपल्ली/एसएसएमपीपी) - कृष्णा (पुलीचिंतला) लिंक	तेलंगाना और एपी	डीपीआर पूरा हो गया है
5	क.कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) लिंक	एपी	एफआर पूरा हो गया है
	ख.वैकल्पिक कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) लिंक *	एपी	डीपीआर पूरा हो गया है
6	कृष्णा (श्रीशैलम) - पेन्नार लिंक	एपी	ड्राफ्ट डीपीआर पूरा हो गया है
7	कृष्णा (अलमाटी) - पेन्नार लिंक	एपी और कर्नाटक	ड्राफ्ट डीपीआर पूरा हो गया है
8	क. पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक	एपी, तमिलनाडु और पुडुचेरी	एफआर पूरा हो गया है
	ख. वैकल्पिक पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक *	एपी, तमिलनाडु और पुडुचेरी	डीपीआर पूरा हो गया है
9	कावेरी (कट्टलाई) -वैगई -गुंडर लिंक	तमिलनाडु	डीपीआर पूरा हो गया है

10	क.पारबती-कालीसिंध-चंबल लिंक	मध्य प्रदेश (एमपी) और राजस्थान	एफआर पूरा हो गया है
	ख. संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक (ईआरसीपी के साथ विधिवत एकीकृत)	एमपी और राजस्थान	ड्राफ्ट पीएफआर पूरा हो गया है
11	दमनगंगा - पिंजल लिंक	महाराष्ट्र	डीपीआर पूरा हो गया है
12	पार-तापी-नर्मदा लिंक	गुजरात और महाराष्ट्र	डीपीआर पूरा हो गया है
13	केन-बेतवा लिंक	उत्तर प्रदेश (यूपी) और एमपी	डीपीआर पूरा हो गया है और परियोजना कार्यान्वयन के अधीन है
14	पंबा - अचानकोविल - वैप्पर लिंक	तमिलनाडु और केरल	एफआर पूरा हो गया है
15	बड़ेती - वरदा लिंक @	कर्नाटक	डीपीआर पूरा हो गया है
16	नेत्रावती - हेमावती लिंक @@	कर्नाटक	पीएफआर पूरा हो गया है

* मणिभद्र और इंचमपल्ली बांधों पर सहमति लंबित होने के कारण, गोदावरी नदी के अप्रयुक्त पानी को मोड़ने के लिए वैकल्पिक अध्ययन किया गया और गोदावरी (इंचमपल्ली) -कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजना की डीपीआर पूरी की गई।. गोदावरी-कावेरी लिंक परियोजना तैयार की गई है जिसमें गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर), कृष्णा (नागार्जुनसागर) -पेन्नार (सोमासिला) और पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजनाएं शामिल हैं।

** गोदावरी (पोलावरम) - कृष्णा (विजयवाड़ा) लिंक - इस परियोजना को आंध्र प्रदेश सरकार ने अपने हाथ में लिया है।

@ बड़ेती - वरदा लिंक - डीपीआर को इसके पीएफआर की तैयारी के बाद ही तैयार किया गया था, कोई एफआर तैयार नहीं किया गया था।

@@ कर्नाटक सरकार द्वारा येत्तिनाहोल परियोजना के कार्यान्वयन के बाद से आगे कोई अध्ययन नहीं किया गया है, क्योंकि इस लिंक के माध्यम से मोड़ने के लिए नेत्रावती बेसिन में कोई अतिरिक्त जल उपलब्ध नहीं है।

हिमालयन घटक

क्रम सं.	लिंक का नाम	लाभान्वित देश/राज्य	स्थिति
1.	कोसी-मेची लिंक	बिहार और नेपाल	पीएफआर पूरा हुआ
2.	कोसी-घाघरा लिंक	बिहार, उत्तर प्रदेश और नेपाल	एफआर पूरा हुआ
3.	गंडक -गंगा लिंक	उत्तर प्रदेश और नेपाल	एफआर पूरा हुआ
4.	घाघरा-यमुना लिंक	उत्तर प्रदेश और नेपाल	ड्राफ्ट एफआर पूरा हुआ
5.	शारदा -यमुना लिंक	उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड	एफआर पूरा हुआ
6.	यमुना-राजस्थान लिंक	हरियाणा और राजस्थान	एफआर पूरा हुआ
7.	राजस्थान-साबरमती लिंक	राजस्थान और गुजरात	एफआर पूरा हुआ
8.	चुनार-सोन बैराज लिंक	बिहार और उत्तर प्रदेश	ड्राफ्ट एफआर पूरा हुआ
9.	सोन बांध - गंगा लिंक की दक्षिणी सहायक नदियाँ	बिहार और झारखंड	ड्राफ्ट एफआर पूरा हुआ
10.	मानस-संकोश-तिस्ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) लिंक	असम, पश्चिम बंगाल (पश्चिम बंगाल) और बिहार	एफआर पूरा हुआ
11.	जोगीघोपा-तिस्ता-फरक्का लिंक (एम-एस-टी-जी का विकल्प)	असम, पश्चिम बंगाल और बिहार	पीएफआर पूरा हुआ
12.	फरक्का-सुंदरबन लिंक	पश्चिम बंगाल	(प्रस्ताव छोड़ दिया गया है)
13.	गंगा (फरक्का) - दामोदर-सुवर्णरेखा लिंक	पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड	एफआर पूरा हुआ
14.	सुवर्ण रेखा- महानदी लिंक	पश्चिम बंगाल और ओडिशा	एफआर पूरा हुआ

डीपीआर - विस्तृत परियोजना रिपोर्ट

पीएफआर- पूर्व व्यवहार्यता रिपोर्ट

एफआर- व्यवहार्यता रिपोर्ट

******